CBSE Class 12 Hindi Elective 2012 - Set 29/1 Set1

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों में दिए गए आंतरिक विकल्पों का पालन कीजिए।
(iii) दिए गए निर्देशों और शब्द-सीमाओं का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Section खंड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मधुर वचन वह रसायन है जो पारस की भाँति लोहे को भी सोना बना देता है। मनुष्यों की तो बात ही क्या, पशु-पक्षी भी उसके वश में हो, उसके साथ मित्रवत् व्यवहार करने लगते हैं। व्यक्ति का मधुर व्यवहार पाषाण-हृदयों को भी पिघला देता है। कहा भी गया है "तुलसी मीठे बचन ते, जग अपनो करि लेत।" निस्सन्देह मीठे वचन औषधि की भाँति श्रोता के मन की व्यथा, उसकी पीड़ा व वेदना को हर लेते हैं। मीठे वचन सभी को प्रिय लगते हैं। कभी-कभी किसी मृदुभाषी के मधुर वचन घोर निराशा में डूबे व्यक्ति को आशा की किरण दिखा उसे उबार लेते हैं, उसमें जीवन-संचार कर देते हैं; उसे सान्त्वना और सहयोग दे कर यह आश्वासन देते हैं कि वह व्यक्ति अकेला व असहाय नहीं, अपितु सारा समाज उसका अपना है, उसके सुख-दुख का साथी है। किसी ने सच कहा है : "मधुर वचन हैं औषधि, कटुक वचन हैं तीर।" मधुर वचन श्रोता को ही नहीं, बोलने वाले को भी शांति और सुख देते हैं। बोलने वाले के मन का अहंकार और दंभ सहज ही विनष्ट हो जाता है। उसका मन स्वच्छ और निर्मल बन जाता है। वह अपनी विनम्रता, शिष्टता, एवं सदाचार से समाज में यश, प्रतिष्ठा और मान-सम्मान को प्राप्त करता है। उसके कार्यों से उसे ही नहीं, समाज को भी गौरव और यश प्राप्त होता है और समाज का अभ्युत्थान होता है। इसके अभाव में समाज पारस्परिक कलह, ईर्ष्या-द्वेष, वैमनस्य आदि का घर बन जाता है। जिस समाज में सौहार्द नहीं, सहानुभूति नहीं, किसी दुखी मन के लिए सान्त्वना का भाव नहीं, वह समाज कैसा ? वह तो नरक है।

1(क). मधुर वचन निराशा में डूबे व्यक्ति की सहायता कैसे करते हैं ?

1(ख). मधुर वचन को 'औषधि' की संज्ञा क्यों दी गई है ? स्पष्ट कीजिए।

1(ग). मधुर वचन बोलने वाले को क्या लाभ देते हैं ?

1(घ). समाज के अभ्युत्थान में मधुर वचन अपनी भूमिका कैसे निभाते हैं ?

1(ङ). मधुर वचन की तुलना पारस से क्यों की गई है ?

1(च). लेखक ने कैसे समाज को नरक कहा है ?

1(छ). उपर्युक्त गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

1(ज). विलोम शब्द लिखिए : श्रोता, सम्मान।

1(झ). उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : विनम्र, सदाचारी।

1(ञ). मिश्र वाक्य में बदलिए — बोलने वाले के मन का अहंकार और दंभ सहज ही विनष्ट हो जाता है।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कविताओं में पेड़ - चिड़िया - फूल - पौधे और मौसम का अब ज़िक्र नहीं होता कविताओं में होते हैं संवेदनहीन लोग जो धन के बल पर सच-झूठ को नकारते हुए जीवन जी रहे हैं। कविताएँ सदा सच बोलती हैं झूठ का भण्डा फोड़ती हैं और सच यह है कि आज का मानव छल से, बल से लूट रहा है, उसने काट डाले हैं सारे के सारे वन-उपवन धरती का चप्पा-चप्पा पट गया है भवनों से। और लोगों ने ड्राइंग रूम में लगा दी है बौना साइज़ प्रजातियाँ पौधों की और सजा दी हैं असंख्य पक्षियों की कृत्रिम आकृतियाँ कैलेंडर-पेन्टिंग्स के रूप में जिन्हें देखकर बच्चे पूछते होंगे — कैसे होते हैं विशालकाय पेड़ ? चिड़िया कैसे चहचहाती है ? आकाश इतना खाली क्यों है ? पर्वत इतने निर्वस्त्र क्यों ? हवाएँ सहमी-सहमी हैं, बादल क्यों नहीं बरसते ? तब तुम्हारा उत्तर क्या होगा ? मैं तुम्हीं से पूछता हूँ। तुम्हारे ड्राइंग-रूम की चिड़िया पौधों की क़िस्में प्लास्टिक के फूल खोज पाएँगे इन सभी प्रश्नों का समाधान ?

2(क). कवि की दृष्टि में अब कविताओं में किन बातों की चर्चा नहीं होती ?

2(ख). आज का मानव छल-बल से किसे लूट रहा है और क्यों ?

2(ग). ड्राइंग-रूमों को देखकर बच्चों की जिज्ञासा का कारण आप क्या मानते हैं ?

2(घ). 'तब तुम्हारा उत्तर क्या होगा ?' बताइए ऐसी स्थिति में आपका उत्तर क्या होगा ?

2(ङ). किन पंक्तियों का संकेत बिगड़ते पर्यावरण की ओर है ?

OR

2. फूल से बोली कली "क्यों व्यस्त मुरझाने में है, फ़ायदा क्या गंध औ' मकरंद बिखराने में है ? तूने अपनी उम्र क्यों वातावरण में घोल दी, मनमोहक मकरंद की पंखुड़ियाँ क्यों खोल दीं। तू स्वयं को बाँटता है जिस घड़ी से है खिला, किन्तु इस उपकार के बदले में तुझको क्या मिला ? मुझे देखो मेरी सब ख़ुशबू मुझी में बंद है, मेरी सुन्दरता है अक्षय, अनछुआ मकरंद है।" फूल उस नादान की वाचालता पर चुप रहा, फिर स्वयं को देखकर भोली कली से ये कहा — "ज़िन्दगी सिद्धांत की सीमाओं में बँटती नहीं, ये वो पूँजी है जो व्यय से बढ़ती है, घटती नहीं। चार दिन की ज़िन्दगी ख़ुद को जिए तो क्या जिए ? बात तो तब है कि जब मर जाएँ औरों के लिए, प्यार के व्यापार का क्रम अन्यथा होता नहीं, वह कभी पाता नहीं है जो कभी खोता नहीं।"

2(क). कली की दृष्टि से फूल के कौन-से काम व्यर्थ हैं ?

2(ख). आशय स्पष्ट कीजिए — 'तू स्वयं को बाँटता है।'

2(ग). फूल ने कली को नादान और भोली क्यों समझा ?

2(घ). "चार दिन की ज़िन्दगी ख़ुद को जिए तो क्या जिए" पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

2(ङ). प्रस्तुत काव्यांश के माध्यम से कवि हमें क्या जीवन-संदेश देना चाहता है ?

Section खंड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : (क) मेरे जीवन की वह सुखद घटना (ख) आधुनिक नारी (ग) भारतीय ग्रामों में बदलता जीवन (घ) वर्तमान शिक्षा-प्रणाली

4. अपने क्षेत्र के किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखिए जिसमें ग्रामीण पंचायतों को दलगत राजनीति से मुक्त करने के सुझाव दिए गए हों।

OR

4. ईंधन के मूल्यों में लगातार हो रही वृद्धि के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए केंद्रीय सरकार के ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखिए।

5. मुद्रित माध्यम जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना है। इसकी किन्हीं तीन विशेषताओं और दो कमियों पर प्रकाश डालिए।

OR

5. रेडियो के लिए समाचार-लेखन में किन-किन बुनियादी बातों को ध्यान में रखना चाहिए ?

6(क). निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : वेबसाइट पर हिन्दी पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसे दिया जाता है ?

6(ख). उलटा पिरामिड शैली क्या है ?

6(ग). विशेष रिपोर्ट कैसे लिखी जाती है ?

6(घ). सम्पादकीय लेखन से क्या तात्पर्य है ?

6(ङ). पत्रकारिता में 'बीट' किसे कहते हैं ?

Section खंड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : जननी निरखति बान धनुहियाँ। बार-बार उर नैननि लावति प्रभु जू की ललित पनहियाँ ॥ कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे। "उठहु तात ! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे।" ॥ कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, भैया। बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया" ॥ कबहुँ समुझि बन गमन राम को रहि चकि चित्रलिखी-सी। तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी-सी ॥

OR

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

गीत गाने दो मुझे तो वेदना को रोकने को। चोट खाकर राह चलते होश के भी होश छूटे हाथ जो पाथेय थे, ठग — ठाकुरों ने रात लूटे, कंठ रुकता जा रहा है, आ रहा है काल देखो।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) "यह दीप अकेला स्नेह-भरा है गर्व भरा मदमाता" उक्त कथन के संदर्भ में लिखिए कि व्यष्टि का समष्टि में विलय कैसे संभव है।

(ख) 'वसंत आया' कविता में "कवि ने आज के मनुष्य की जीवन-शैली पर व्यंग्य किया है।" इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'कन्ये, गत कर्मों का अर्पण कर, करता मैं तेरा तर्पण' उक्त कथन के पीछे छिपी वेदना और विवशता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

(क) सिंधु तर्यो उनको बनरा तुम पै धनुरेख गई न तरी। बाँधोई बाँधत सो न बन्यो उन बारिधि बाँधिकै बाट करी ॥

(ख) पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग। सो धनि बिरहें जरि मुई तेहिक धुआँ हम लाग ॥

(ग) तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये ऊसर बंजर तोड़ो ये धरती परती तोड़ो सब खेत बनाकर छोड़ो।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है। दुखी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है ख़ुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हज़ूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडम्बर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है।

OR

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था। उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम् त्याग दिया है, उसके अन्दर 'स्व' से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतनस्वरूप, आत्माराम और निर्मलानंद है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए :

(क) 'प्रेमघन की छाया-स्मृति' निबन्ध में चौधरी साहब के व्यक्तित्व के किन-किन पहलुओं को उजागर किया गया है ?

(ख) 'संवदिया' कहानी में संवदिया के चरित्र के कौन-कौन से पक्ष उभर कर आए हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) औद्योगीकरण ने पर्यावरण को कैसे प्रभावित किया है ? — 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

12. केदारनाथ सिंह अथवा विद्यापति के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

OR

12. पंडित चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' अथवा भीष्म साहनी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताएँ लिखिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'आरोहण' कहानी में शैला और भूप ने मिलकर पहाड़ पर नई ज़िन्दगी कैसे शुरू की ?

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर प्रकृति, नारी और सौन्दर्य के बारे में लेखक की मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ग) लेखक को क्यों लगता है कि हमारी आज की सभ्यता नदियों के शुद्ध जल को गंदे पानी के नाले बना रही है ? 'अपना मालवा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) 'सूरदास' कहानी में भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई ? कारण स्पष्ट कीजिए।

14. 'सूरदास' के व्यक्तित्व की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

OR

14. 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर बिस्कोहर गाँव में गर्मी और वर्षा ऋतु में होने वाली परेशानियों का वर्णन कीजिए।

- End of Question Paper -